सत्यमेव जयते

भारत सरकार/Government of India

संचार मंत्रालय/Ministry of Communications

भारतीय डाक/Department of Posts

डाक भवन, संसद मार्ग /Dak Bhawan, Sansad Marg

नई दिल्ली/New Delhi – 110 001

Visit us at www.indiapost.gov.in or your nearest Post Office

Follow us: @IndiaPostOffice @PostOffice.IN

Call Toll Free for Enquries 1800-266-6868

मेघदूत पुरस्कार MEGHDOOT AWARD

भारतीय डाक

India Post

2018

डाक विभाग – एक परिदृश्य

भारतीय डाक विश्व का विशालतम डाक नेटवर्क है। यह विशाल डाक नेटवर्क 1727 में आरंभ हुआ, जब कोलकाता में प्रथम डाकघर स्थापित किया गया था। तत्पश्चात, तीन तत्कालीन प्रेसिडेंसियों, नामत: कोलकाता (1774), चेन्नई (1786) और मुम्बई (1793) में जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) भी स्थापित किए गए थे। तत्कालीन डाकघरों में एकरूपता लाने के उद्देश्य से, भारतीय डाकघर अधिनियम, 1837 बनाया गया। इस अधिनियम के बाद, अधिक व्यापक भारतीय डाकघर अधिनियम, 1854 बनाया गया जो कि भारत में वर्तमान डाक प्रणाली का मुख्य आधार है। इस अधिनियम ने समूची डाक प्रणाली में सुधार किया और इसके प्रावधानों से, भारत के ब्रिटिश क्षेत्रों में डाक ढुलाई का एकाधिकार भारतीय डाकघरों को दिया गया। उसी वर्ष रेल डाक सेवा की शुरुआत की गई तथा भारत से ग्रेट ब्रिटेन और चीन के लिए समुद्री डाक सेवा प्रारंभ की गई। तत्पश्चात, भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 पारित किया गया, जिसके द्वारा देश की डाक सेवाओं को विनियमित किया जाता है।

वर्ष 1852 में, एशिया की सर्वप्रथम चिपकाने वाली डाक-टिकट सिंध में जारी की गई, तत्पश्चात ये डाक-टिकटें सिंध डाक के नाम से प्रसिद्ध हुईं। 18 फरवरी, 1911 को विश्व की प्रथम हवाई डाक ने इलाहाबाद से नैनी के बीच उड़ान भरी। गंगा नदी को पार कर के इस ने लगभग 18 किलोमीटर की दूरी तय की। देशभर में मान्य प्रथम डाक-टिकट 01 अक्तूबर, 1854 को जारी किया गया, जिसके द्वारा वजन के आधार पर वहनीय और एक-समान डाक दर उपलब्ध कराई गई। उस समय से डाक विभाग ने देश की एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में पहचान बनाई है तथा जिसकी राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है और जिसकी पहुंच देश के कोने-कोने तक है।

यद्यपि विभाग का प्रमुख कार्यकलाप डाक की प्रोसेसिंग,प्रेषण और इसका वितरण करना है, तथापि विभाग ने विविध रिटेल सेवाएं भी प्रारंभ की हैं, जिनमें धन प्रेषण, बैंकिंग तथा बीमा शामिल है। हाल ही में डाक विभाग ने मनरेगा जैसे सामाजिक लाभ भुगतानों और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की शुरुआत की है।

लक्ष्य

भारतीय डाक के उत्पाद और सेवाएं ग्राहकों की पहली पसन्द होंगे।

मिशन

- देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन से जुड़ते हुए, विश्व के विशालतम डाक नेटवर्क के रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखना।
- मेल, पार्सल, धन अंतरण, बैंकिंग, बीमा और रिटेल सेवाओं को त्वरित और विश्वसनीयतापूर्वक प्रदान कराना।
- ग्राहकों को किफायती और बेहतर सेवाएं प्रदान करना।
- यह सुनिश्चित करना कि कर्मचारियों को इसकी मुख्य शक्ति होने पर गर्व है और वे अपने ग्राहकों को संवेदनशीलता के साथ सेवा प्रदान करते हैं।
- सामाजिक सुरक्षा सेवाओं का वितरण जारी रखना और भारत सरकार के मंच के रूप में अंतिम गंतव्य तक सेवा प्रदान करना।

DEPARTMENT OF POSTS – AN OVERVIEW

The Department of Posts is the largest postal network in the world. The beginning of this vast postal network can be traced back to the year 1727 when the first Post Office was set up in Kolkata. Subsequently, General Post Offices (GPOs) were also set up in the then three Presidencies of Kolkata (1774), Chennai (1786) and Mumbai (1793). To bring some uniformity amongst the then Post Offices, the Indian Post Office Act of 1837 was enacted. This Act was followed by the more comprehensive Indian Post Office Act of 1854, which is the primary base of the present postal system in India. The Act reformed the entire fabric of the postal system and its provisions granted monopoly of carrying mail in the British territories in India to the Indian Post Offices. In the same year, Railway Mail Service was introduced as also the Sea Mail Service from India to Great Britain and China. Thereafter, the India Post Office Act of 1898 was passed which regulates postal services in the country.

In 1852, the first ever adhesive postage stamps in Asia were issued in Sindh (Scinde); these stamps subsequently became famous as the Scinde Dawks. On 18th February, 1911, the world's first airmail flight – from Allahabad to Naini - took place. It traversed a distance of 18 kilometers (approx.) across the river Ganga. The first postage stamp valid across the country was issued on 1st October, 1854 which provided an affordable and uniform rate of postage based on weight. Since then, the Department of Posts has proved to be one of the important institutions of the country, playing an important role in the socio-economic development of the nation and touching the remotest corners of the country.

While the core activity of the Department is processing, transmission and delivery of mail, a diverse range of retail services has also been undertaken by the Department, which include money remittance, banking, and insurance. Of late, the Department has undertaken the disbursal of the social benefit payments, such as MGNREGA and social security pension schemes.

Vision

India Post's products and services will be the customers' first choice.

Mission

- To sustain its position as the largest postal network in the world touching the lives of every citizen in the country.
- To provide mail, parcel, money transfer, banking, insurance and retail services with speed and reliability.
- To provide value for money services to the customers.
- To ensure that the employees are proud to be its main strength and serve its customers with a human touch.
- To continue to deliver social security services and to enable last mile connectivity as a Government of India platform.

मेघदूत पुरस्कार

विगत वर्षों में डाक विभाग की भूमिका में व्यापक बदलाव आया है। आज के दौर में डाक विभाग को, डाक के प्रेषण में भी निजी क्षेत्र से स्पर्धा करनी पड़ रही है, जिसमें अबतक इसका एकाधिकार रहा है,। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में, डाक विभाग जैसे सेवा प्रदाता के लिए कर्मचारी मूल्यवान परिसंपत्ति और उसकी सफलता की कुंजी हैं।

डाक विभाग जैसे बड़े संगठन के लिए, विभिन्न पृष्ठभूमि वाले 4 लाख से अधिक कार्यबल को प्रोत्साहित रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। मानव का यह स्वभाव है कि वे जो हैं और जो कार्य वे करते हैं, उसके लिए वे सम्मानित और विशिष्ट महसूस करना चाहते हैं। यह मूल मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त डाक विभाग के कर्मचारियों के कार्य को पुरस्कृत करने का आधार है, ताकि वे प्रोत्साहित होते रहें।

जब कर्मचारियों और उनके कार्य को महत्व दिया जाता है, तो उनकी संतुष्टि और उत्पादकता बढ़ती है तथा उन्हें अपने अच्छे कार्य का स्तर बनाए रखने अथवा उसमें सुधार करने की प्रेरणा मिलती है। एक कर्मचारी के अच्छे कार्य निष्पादन को मान्यता देने से अन्य कर्मचारियों को भी अपने कार्य का स्तर बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है। उत्कृष्ट कार्य को पहचान दिलाने के विचार से दिया जाने वाला 'मेघदूत पुरस्कार' राष्ट्रीय स्तर पर दिया जाता है। इसे वर्ष 1984 में शुरू किया गया था। 'मेघदूत पुरस्कार' में 21,000/- रूपए की नकद राशि,स्वर्ण पदक और एक प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है। विभिन्न प्रकार के कार्यों की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, मेघदूत पुरस्कार प्रदान करने के लिए कर्मचारियों को निम्नलिखित आठ श्रेणियों में बांटा गया है :-

श्रेणी I	सभी ग्रामीण डाक सेवक
श्रेणी II	सभी पूर्व समूह 'घ' कर्मचारी, जिन्हें समूह 'ग' के रूप में अपग्रेड किया गया है, इसमें पोस्टल/आरएमएस तथा एमएमएस विंग में कार्यरत जमादार शामिल हैं तथा डाकिया, जिसमें मेल ओवरसीयर/ नकदी ओवरसीयर/ हेड पोस्टमैन तथा छंटाई पोस्टमैन तथा मेल गार्ड/ मेल मैन आदि शामिल हैं, इसमें आरएमएस, एमएमएस तथा प्रशासनिक कार्यालयों में कार्यरत समान स्तर के कर्मचारी भी शामिल हैं।
श्रेणी III	प्रचालन कार्य कर रहे डाक सहायक/ छंटाई सहायक, इसमें एकल कर्मचारी वाले डाकघरों के प्रभारी एसपीएम और आरएमएस, एमएमएस में कार्यरत समान स्तर के कर्मचारी तथा आशुलिपिक ग्रेड I,II, और III शामिल हैं।
श्रेणी IV	एचएसजी-I सहित सभी विंगों में कार्यरत जनरल लाइन पर्यवेक्षक संवर्ग तक के कर्मचारी।
श्रेणी V	सभी विंगों में कार्यरत डाक निरीक्षक तथा सहायक डाक अधीक्षक; सिविल एवं इलेक्ट्रिकल विंग में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता; लेखा विंग में कार्यरत सहायक लेखा अधिकारी।
श्रेणी VI	इसमें डाक विभाग में कार्यरत एसटीएस तक के सभी समूह 'क' तथा समूह 'ख' के अधिकारी, विदेश डाक, डाक भंडार डिपो, केन्द्रीय स्टांप डिपो तथा मुद्रणालय तथा निजी सचिव; लेखा विंग में कार्यरत लेखा अधिकारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी; सिविल तथा इलेक्ट्रिकल विंग में कार्यरत सहायक अभियंता शामिल हैं।
श्रेणी VII	प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता (एसटीएस तक के सभी संवर्ग)
श्रेणी VIII	सर्वोत्कृष्ट महिला कर्मचारी (सभी महिला कर्मचारी, समूह 'ख' के अधिकारियों तक)

MEGHDOOT AWARD

Over the years, role of the Department of Posts has undergone sea change. Now a days, Department of Posts has to compete with private sector even in the transmission of mail, hitherto enjoying monopoly. In today's competitive world, for a service provider, like Department of Posts, employees are valuable assets and key to success.

For a huge organization like Department of Posts, keeping motivated manpower of more than 4 lakh with varied background is a challenging task. Human nature is such that humans like to feel valued and special for what they are and what they do. This basic psychological theory forms the basis for recognition of the performance of the employees of the Department of Posts so as to keep them motivated.

When employees and their work are valued, their satisfaction and productivity rise and they are motivated to maintain or improve their good work. Recognition of good performance of one employee also acts as catalyst for others to enhance their performance level. With the view of recognizing outstanding performance, 'Meghdoot Award', presented at national level, was introduced in the year 1984. Cash award of Rs.21,000/-, a Gold Medallion and a Citation are presented as Meghdoot Award. Keeping in view the nature of work for various levels, employees have been divided in the following eight categories for presenting Meghdoot Award:-

Category I	All Gramin Dak Sevaks
Category II	All erstwhile Group 'D' staff since upgraded as Group 'C' including Jamadars in the Postal/RMS and MMS wings and Postman including Mail Overseers/Cash Overseers/Head Postman and Sorting Postman and Mail Guards/Mailman, etc including similar levels in RMS, MMS and Administrative offices.
Category III	Postal Assistants/Sorting Assistants doing operative work including SPMs in charge of single-handed offices and similar levels in RMS, MMS and Stenographers Grade I, II and III
Category IV	The General line supervisor cadre in all wings upto and including HSG-I
Category V	Inspector Posts and Assistant Superintendent. Posts in all wings; Junior Engineers working in Civil and Electrical Wings; Assistant Accounts Officers working in Accounts Wing
Category VI	All Group 'B' and Group 'A' officers upto STS in Department of Posts including Foreign Posts, Postal Stores Depot, Central Stamp Depot and Printing Press and Private Secretaries; Accounts Officers, Sr. Account Officers working in Accounts Wing; Assistant Engineers working in Civil and Electrical Wings
Category VII	Technology Excellence (All cadres upto STS)
Category VIII	Best Woman Employee (All women officials upto Group 'B' officers)

MEGHDOOT AWARD – 2018 [CATEGORY I]

Shri Narinder Kumar
Branch Postmaster,
Dagan Branch Office,
Hoshiarpur Division, Punjab Circle.

ग्रामीण डाक सेवक, डाक विभाग का अभिन्न अंग हैं। ये कार्मिक देश के कोने-कोने में भारत सरकार की सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री नरेन्द्र कुमार का जन्म 16.04.1964 को हुआ। उन्होंने 24.02.2006 को दागौन शाखा डाकघर में शाखा डाकपाल के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने प्रारंभ से ही अपने कर्तव्यों और पद से जुड़े प्रवालनात्मक कार्यों के प्रति संपूर्ण समर्पण भाव प्रदर्शित किया है। श्री नरेन्द्र कुमार का जनसामान्य के साथ व्यवहार मैत्रीपूर्ण रहा हैं, जिससे उन्होंने डाक विभाग द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के प्रति लोगों का भरोसा और विश्वास जीता है। श्री कुमार ने आमजन में वित्तीय जागरूकता लाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी के फलस्वरूप आज दागौन शाखा डाकघर के क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी परिवारों में डाकघर बचत बैंक खाताधारक हैं। इन सभी गांवों को संपूर्ण सुकन्या समृद्धि ग्राम और संपूर्ण ग्रामीण डाक जीवन बीमा ग्राम घोषित किया गया है। इसके साथ-साथ, श्री नरेन्द्र कुमार ने भारत सरकार की विभिन्न जन सुरक्षा योजनाओं को कार्यान्वित करने में भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री नरेन्द्र कुमार के इन अथक प्रयासों के फलस्वरूप दागौन शाखा डाकघर प्रचालन के दृष्टिकोण से स्वावलंबी बन पाया है और भारत सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ लोगों को प्राप्त हो सके हैं।

Gramin Dak Sevaks are integral part of Department of Posts in providing last mile connectivity as a Government of India platform. Born on 16.04.1964, Shri Narinder Kumar joined as Branch Post Master in Dagan Branch office on 24.02.2006. Since then he has demonstrated deep devotion to duty and operational focus. He has established a cordial relation with the general public earning their trust and faith on the services offered by Department of Posts. Shri Narinder Kumar has played a key role in inculcating financial awareness among the public. All the households falling under the jurisdiction of Dagan Branch Office have been covered under Post Office Saving Bank Accounts. All the villages have been declared as Sampoorn Sukanya Samridhi villages and Sampoorn Rural Postal Life Insurance villages. He is also instrumental in implementing various Jan Suraksha Schemes of the Government of India. All these efforts of Shri Narinder Kumar have contributed immensely not only in converting the Dagan Branch Office operationally self-supporting but also in delivering social security services of the Government of India.

MEGHDOOT AWARD – 2018 [CATEGORY II]

Shri K. Ganapathy
Postman, Ashok Nagar Post Office,
Chennai City South Division,
Tamil Nadu Circle.

डाकिया,आमलोगों के बीच सरकार का चेहरा होता है। डाकिया की कर्तव्यनिष्ठा और कार्यकुशलता, किसी डाक-वस्तु के सफर को पूरा करने की दिशा में निर्णायक सिद्ध होती है। श्री के. गणपति का जन्म 09.05.1961 को हुआ। उन्होंने 1984 में शालिग्रामम शाखा डाकघर में बतौर ग्रामीण डाक सेवक कार्यभार ग्रहण किया और 01.05.1989 को वे डाकिया के पद पर नियुक्त हुए। उन्होंने प्रारंभ से ही अपने कर्तव्यों और पद से जुड़े प्रचालनात्मक कार्यों के प्रति संपूर्ण समर्पण भाव प्रदर्शित किया है। श्री गणपति अपने क्षेत्र की संस्थाओं, दुकानों, वरिष्ठ नागरिकों, आदि का डाटाबेस तैयार रखते हैं और इन लोगों को डाक की सुपुर्दगी के संबंध में समय पर जानकारी प्रदान कर देते हैं और इस प्रकार, डाक संवितरण कार्य के लिए अनुकूल वातावरण बनाते हैं। अपने इसी अनूठे प्रयास के बदौलत श्री गणपति के संबंध जनसामान्य से अत्यंत मैत्रीपूर्ण हैं और वे भारतीय डाक द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में लोगों का भरोसा और विश्वास जीतने में सफल हुए हैं। अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए श्री गणपति ने डाक उत्पादों और सेवाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष मेलों का आयोजन कर अपने क्षेत्र के वंचित वर्ग के लोगों को वित्तीय समावेशन के दायरे में लाने में कामयाबी हासिल की है। श्री के. गणपति के योगदान के फलस्वरूप डाक विभाग तेज गति और विश्वसनीयता से अपनी सेवाएं लोगों तक पहुंचाने में सफल हुआ है।

Postman carries image of Government into households of public. Sincerity and efficiency of a Postman are of paramount importance in completing the journey of a mail. Born on 09.05.1961, Shri K. Ganapathy joined as Gramin Dak Sevak in Saligramam Branch office in 1984 and appointed as Postman on 01.05.1989. Since then he has demonstrated deep devotion to duty and operational focus. Shri Ganapathy maintains database of institutions, shops, senior citizens, etc and alerts them in advance for delivery of mails thus creating a conducive environment for mail delivery. This unique idea has helped him in establishing cordial relation with the general public earning their trust and faith on the services offered by India Post. Going a step forward, Shri K Ganapathy has also achieved success in the area of financial inclusion of marginalized people by conducting melas for marketing of postal products and services. The contribution of Shri K Ganapathy has immensely helped the Department of Posts in providing services with speed and reliability.

MEGHDOOT AWARD – 2018 [CATEGORY III]

Shri Madan Mohan Hans
Sorting Assistant,
Circle Office, Delhi Circle.

प्राय: पहला कदम ही यात्रा के प्रारब्ध का निर्णायक कदम होता है। नेपथय में कार्य करते हुए, डाक-वस्तुओं को सही दिशा में प्रेषित करने के लिए पहला कदम छंटाई सहायक द्वारा उठाया जाता है, जो डाक संवितरण की कार्यकुशलता निर्धारित करता है। श्री मदन मोहन हंस ने 09.11.1998 को डाक विभाग में छंटाई सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने प्रारंभ से ही अपने कर्तव्यों और पद से जुड़े प्रचालनात्मक कार्यों के प्रति सम्पूर्ण समर्पण भाव प्रदर्शित किया है। डाक की छंटाई में उनकी गहन कार्यात्मक जानकारी को पहचानते हुए उन्हें, दिल्ली परिमंडल कार्यालय के गुणवत्ता सेवा अनुभाग में तैनात किया गया। यहां पर इन्होंने स्पीडनेट, वस्तुओं की सुपुर्दगी, शिकायतों के समाधान की निगरानी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। देशभर के डाक नेटवर्क के संबंध में अपनी गहन जानकारी का उपयोग करते हुए, श्री मदन मोहन हंस ने, विभिन्न संगठनों द्वारा आयोजित परीक्षा संबंधी सामग्रियों के वितरण के लिए रूट चार्ट तैयार किया जो सभी चिन्हित केन्द्रों को सुरक्षित, संरक्षित और समयबद्ध प्रेषण सुनिश्चित किए जाने में अत्यंत सहायक सिद्ध हुआ है। श्री मदन मोहन हंस का यह योगदान, त्वरित और विश्वसनीय रूप से डाक सेवाएं प्रदान करने में डाक विभाग के लिए अत्यंत सहायक रहा है।

First step often decides the fate of a journey. Working behind the scene, Sorting Assistant is responsible for taking the first step in moving the articles in right direction, which decides the efficiency of postal delivery. Shri Madan Mohan Hans joined as Sorting Assistant in Department of Posts on 09.11.1998. Since then he has demonstrated deep devotion to duty and operational focus. Recognizing his thorough operational knowledge in mail sorting, he was posted in Quality Service Section of Delhi Circle Office where he has performed exceptionally well in monitoring of Speednet, delivery of articles, redressal of grievances. Utilizing his extensive knowledge of mail network of the country, Shri Madan Mohan Hans prepared routing chart for delivery of examination materials conducted by various organizations, which is of immense help in ensuring safe, secure and timely transmission to all identified centres. The contribution of Shri Madan Mohan Hans has immensely helped the Department of Posts in providing mail services with speed and reliability.

MEGHDOOT AWARD – 2018 [CATEGORY IV]

Smt. Sanghamitra Mohapatra
Postmaster Grade-III,
Jagatsinghpur Head Post Office,
Cuttack South Division, Odisha Circle.

डाकपाल, डाक विभाग और प्रयोक्ता के बीच की कड़ी है। डाकपाल की कार्यकुशलता और संवेदनशीलता में सरकार की छवि प्रतिबिंबित होतीहै। श्रीमती संघमित्रा महापात्र ने डाक विभाग में 21.07.1992 को डाक सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। तब से सफलता की सीढ़ियां चढ़ते हुए वे पोस्टमास्टर ग्रेड-III के पद तक पहुंची। विभाग में कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही,उन्होंने अपने कर्तव्यों और पद से जुड़े प्रचालनात्मक कार्यों के प्रति सम्पूर्ण समर्पण भाव प्रदर्शित किया है। श्रीमती संघमित्रा महापात्र अपने ग्राहकोनुकूल और मधुर व्यवहार तथा कार्योंकी गहन जानकारी के लिए जानी जाती हैं। वास्तव में, उनकी अगुवाई में उनकी टीम वर्ष-दर-वर्ष बेहतरीन कार्य निष्पादन करती आई है। श्रीमती महापात्र ने आमजन में वित्तीय जागरुकता लाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीमित संसाधनों का इष्टतम उपयोग करते हुए, वे जगतसिंहपुर प्रधान डाकघर के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध हुई हैं। उन्हें गत दो वर्षों से लगातार "परिमंडल का सर्वोत्तम पोस्टमास्टर" पुरस्कार प्रदान किया गया है। श्रीमती संघमित्रा महापात्रजैसा कार्य निष्पादन करने वाले कर्मचारी विभाग के ध्येय की पूर्ति करने के लिए आवश्यक है,जो संवेदनशीलता के साथ सेवा प्रदान कर सकें।

Postmaster is the user interface for the Department of Posts. Efficiency and responsiveness of a Postmaster manifest the image of the Government. Smt. Sanghamitra Mohapatra joined as Postal Assistant on 21.07.1992 and has since climbed the ladder to become Postmaster Grade-III. Ever since joining the Department, she has demonstrated deep devotion to duty and operational focus. Smt. Sanghamitra Mohapatra is well known for her responsiveness, calm demeanour and keen knowledge of operations. She is a true leader for which her team is showing outstanding performance for years together. She has played a key role in inculcating financial awareness among the public. With optimum utilization of limited available resources, she has been instrumental in achieving the targets set for Jagatsinghpur HO and was awarded best Postmaster of the Circle for last two consecutive years. Performances like those of Smt Sanghamitra Mohapatra are essential in fulfilling the mission of the Department to serve with a human touch.

MEGHDOOT AWARD – 2018 [CATEGORY V]

Shri A. K. Prasanth
Inspector Posts,
Lakshadweep Division, Kerala Circle.

कार्यकलापों की नियमित और दक्षतापूर्ण निगरानी किसी भी संगठन के लिए सफलता की कुंजी है। प्रथम चरण का मॉनीटर होने के कारण डाक निरीक्षक,फील्ड स्तर पर डाक विभाग के प्रचालनों को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। श्री ए. के. प्रशांत ने डाक विभाग में डाक निरीक्षक के रूप में 2010 में कार्यभार ग्रहण किया। 2017 में, उनकी तैनाती लक्षद्वीप मंडल में की गई, जिसमें दस द्वीप शामिल हैं। इन्होंने इन द्वीपों में डाक संचलन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री ए. के. प्रशांत ने द्वीप के निवासियों में वित्तीय साक्षरता फैलाने का कार्य शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप, विभिन्न सेवाओं के व्यवसाय में बहुविध वृद्धि हुई, चाहे वह डाकघर बचत बैंक हो, ग्रामीण डाक जीवन बीमा हो अथवा फिलैटली हो। उनके अथक प्रयासों के कारण वर्ष 2017-18 में शिकायतों का निवारण करने में लक्षद्वीप डाक मंडल केरल परिमंडल में सर्वोत्तम कार्य-निष्पादन करने वाला मंडल बना। 'ओखी' चक्रवात के दौरान, श्री प्रशांत ने लक्षद्वीप मंडल में सामान्य डाक सेवाएं बहाल करने में अनुकरणीय साहस और प्रबंधन का परिचय दिया। प्रतिकूल परिस्थितियों में श्री प्रशांत जैसे अधिकारियों की उत्कृष्ट सेवा, प्रत्येक नागरिक से जुड़ने और तीव्र गति से तथा विश्वसनीयतापूर्ण डाक सेवाएं प्रदान करने में सरकार की सहायता करती है।

Regular and efficient monitoring of activities is key to success of any organization. Inspector Posts being the first level monitor plays a crucial role in ensuring operations of Department of Posts at field level. Shri A. K. Prasanth joined as Inspector Posts in Department of Posts in 2010. In 2017, he was posted in Lakshadweep Division comprising ten inhabited islands. He has contributed immensely in improving mail movement in these islands. Shri A. K. Prasanth took up the task of spreading financial literacy amongst habitants of islands which resulted in manifold increase in business at various fronts, be it Post Office Saving Bank, Rural Postal Life Insurance or Philately. Owing to his tireless efforts, Lakshadweep Postal Division became best performing Division of Kerala Circle in 2017-18 for redressal of grievances. During 'Ockhi' Cyclone, Shri Prasanth exhibited exemplary courage and management in restoring normal postal services in Lakshadweep Division. Passionate service of officers like Shri Prasanth in adverse circumstances helps Government in touching lives of every citizen and providing postal services with speed and reliability.

MEGHDOOT AWARD – 2018 [CATEGORY VI]

Shri Sudhakara G. Devadiga
Superintendent,
Business Post Centre, Manipal,
Karnataka Circle.

सामाजिक दायित्वों को पूरा करने के साथ-साथ, डाक विभाग का उद्देश्य स्वावलम्बी संगठन बनने के लिए राजस्व अर्जन भी करना है। व्यवसाय डाक केन्द्र, प्रमुख ग्राहकों को विशिष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए उच्च राजस्व अर्जन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। श्री सुधाकर जी देवडिगा का जन्म 27.07.1964 को हुआ। उन्होंने 15.09.1983 को डाक सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया और इस समय वे अधीक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अपने कर्तव्य और प्रचालनात्मक कार्यों के प्रति गहरी निष्ठा दर्शाई। देशभर में एयरपोर्ट ट्रांजिट मेल कार्यालयों की एंड-टु-एंड मैपिंग में उनका योगदान सराहनीय है। हब कोड शुरू करने के उनके नए विचार ने स्पीड पोस्ट वस्तुओं की छंटाई को सरल बनाया है, जिसके परिणामस्वरूप सेवाओं की डिलिवरी बेहतर हुई है। व्यवसाय डाक केन्द्र, मनीपाल, स्टेट बैंक आफ इंडिया और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण जैसे प्रमुख ग्राहकों से संबंधित कार्य देखता है। श्री सुधाकर के योग्य नेतृत्व में व्यवसाय डाक केन्द्र, मनीपाल के राजस्व अर्जन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। श्री सुधाकर देवडिगा के इन सभी प्रयासों के फलस्वरूप डाक विभाग को अपने ग्राहकों को 'किफायती सेवाएं' प्रदान करने में सहायता मिली है।

While fulfilling social obligations, Department of Posts also aims at revenue generation to become a self-sustained organization. Business Post Centres play a vital role in higher revenue generation by providing specialized services to prime clients. Born on 27.07.1964, Shri Sudhakara G. Devadiga joined as Postal Assistant on 15.09.1983 and is presently working as Superintendent. He has demonstrated deep devotion to duty and operational focus. His contribution in end-to-end mapping of Airport Transit Mail Offices across country is commendable. His innovative idea of introducing Hub Code has simplified sorting of Speed Post articles resulting in better delivery of services. Business Post Centre, Manipal handles major clients such as State Bank of India and Unique Identification Authority of India. Under his able leadership Business Post Centre, Manipal has generated substantial revenue. All these efforts of Shri Sudhakara G. Devadiga have helped the Department of Posts in providing value-for-money services to its customers.

MEGHDOOT AWARD – 2018 [CATEGORY VII]

Shri P. S. Pavan Kumar
Assistant Director (Technology)
Centre for Excellence in Postal Technology,
Mysore

प्रौद्योगिकीय अवसंरचना किसी संगठन की संस्कृति, कार्यकुशलता और संबंधों पर अपना प्रभाव डालती है। तीव्र गति से बदल रहे विश्व के साथ गति बनाए रखने के लिए डाक विभाग ने निरन्तर नवीन प्रौद्योगिकी का समावेशन किया है। मैसूर के डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केन्द्र में कार्य करते हुए, श्री पी.एस. पवन कुमार ने दैनिक डाक प्रचालनों का कुशलतापूर्वक निपटान करने के लिए मेघदूत के विभिन्न माड्यूल को विकसित करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके अथक प्रयासों और सुनियोजित योजना से अनेक समयबद्ध कार्यकलापों को पूरा करने में बहुत सहायता मिली है। प्रौद्योगिकी की उनकी गहन जानकारी और उत्साह ने विभिन्न आईटी परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईटी सेवा प्रदाताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने उत्साह, ज्ञान और शांत व्यवहार के कारण, उन्होंने स्वयं को एक अच्छा टीम लीडर सिद्ध किया है, जो आईटी परियोजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहा है। डाक विभाग के प्रौद्योगिकीय रूपान्तरण में, श्री पी.एस. पवन कुमार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसके फलस्वरूप इसके उत्पाद और सेवाएं आम जनता को आसानी से सुलभ हो रहे हैं।

Technological infrastructure affects the culture, efficiency and relationships of an organization. Department of Posts has consistently thrived for technological transformation to maintain pace with fast moving world. Shri P. S. Pavan Kumar, while working at Centre for Excellence in Postal Technology, Mysore, has made remarkable contributions in development of various Meghdoot Modules for efficient handling of day to day postal operations. His constant efforts and meticulous planning have helped in accomplishing several time-bound activities. His deep knowledge and passion for technology has played a crucial part in better coordination with IT vendors for ensuring enterprise security of various IT projects. With his passion, knowledge and calm behaviour, he has proved himself to be a good team leader who has been able to achieve assigned target in IT projects. Shri P. S. Pavan Kumar has made significant contribution towards technological transformation of Department of Posts which made its products and services easily accessible to general public.

MEGHDOOT AWARD – 2018 [CATEGORY VIII]

Ms. Srividya S. Iyer
Assistant Superintendent of Posts,
Tamil Nadu Circle

न्यायसंगत एवं समावेशी समाज तथा आर्थिक समृद्धि प्राप्त करने के लिए कार्यस्थल, प्रबंधन तथा सामान्यत: संगठनों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका अत्यंत आवश्यक है। सुश्री श्रीविद्या एस. अय्यर का जन्म 15.08.1975 को हुआ और इन्होंने डाक विभाग में 16.07.1994 को कार्यभार ग्रहण किया। इस समय वे तमिलनाडु परिमंडल में सहायक डाक अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। आरम्भ से ही वे अपने कर्तव्य और कार्यों के प्रति निष्ठावान रही हैं। उन्होंने डाक विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले उत्पादों तथा सेवाओं की मार्केटिंग (विपणन) में उच्चकोटि की विशेषज्ञता तथा दक्षता हासिल की है। सुश्री श्रीविद्या एस. अय्यर ने समूचे तमिलनाडु परिमंडल में पासपोर्ट सेवा केन्द्र, आधार नामांकन एवं अद्यतीकरण केन्द्र की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्होंने तमिलनाडु परिमंडल में लगभग 5000 कुशल कर्मियों को भी प्रशिक्षित किया। व्यवसाय विकास को ध्यान में रखते हुए इन्होंने ग्राहकों में आत्मविश्वास जगाने के लिए बड़ी संख्या में ग्राहक बैठकों तथा कार्यशालाओं का आयोजन भी किया है। डाक विभाग के उत्पादों तथा सेवाओं को ग्राहकों की पहली पसंद बनाने में सुश्री श्रीविद्या एस. अय्यर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

Greater role for women in workplace, management and organizations in general, is an essential precursor for creating a fair and inclusive society as well as attaining economic prosperity. Born on 15.08.1975, Ms. Srividya S. Iyer joined Department of Posts on 16.07.1994 and is currently working as Assistant Superintendent of Posts in Tamil Nadu Circle. Since then she has demonstrated deep devotion to duty and operational focus. She has acquired highest degree of expertise and skill in marketing of products and services offered by Department of Posts. Ms. Srividya S. Iyer has played a vital role in setting up of Passport Seva Kendra, Aadhar Enrolment and Updation Centre across Tamil Nadu Circle. She has also imparted training to around 5000 resource persons in Tamil Nadu Circle. With a focused approach on business development, she has conducted a large number of customer meets and workshops to build confidence amongst customers. The contribution of Ms. Srividya S Iyer has helped the Department of Posts for making its product and services first choice of customers.

List of Previous Recipients of Meghdoot Award (Since 1994)

Year	Name of the officials	Designation & working place	Circle
1994	Ajit Singh	EDBPM, TahsilHansi, Hissar	Haryana
1994	Ghulam Ahmad Bhat	Group 'D', SR Ganj PO, Srinagar	J&K
1994	Jahar Singh	Postman, New Delhi PO	Delhi
1994	S.V. Ramana	Postal Assistant (SBCO), Jagtiyal HPO	A.P.
1994	Jerome Monthu Cardoza	HSG-II, O/o SSPOs Bombay City, South Division	Maharashtra
1994	Ketan Kumar Babubhai Desai	Sorting Assistant, HRO(R), RMS 'AM' Dn., Ahmedabad	Gujarat
1994	Shashikala PrabhakarAbhayankar	LSG Accountant, HRO RMS 'W' Dn, Vadodra	Gujarat
1994	Preet P. Zarapkar	ASRM, Automatic Mail Processing Centre, Bombay	Maharashtra
1994	D.V. Sharma	SSRM, LD Division, Ludhiana	Punjab
1994	Jagdish Sharan Tiwari	APMG(Staff), O/o CPMG, Lucknow	U.P.
1995	V. Ramesh	EDBPM, Ponmudi PO, Vithura	Kerala
1995	Padma Dorje	EDBPM, Sagnam, Distt.-Spiti	H.P.
1995	Sujat Ali	Cash Overseer, Pattamundai SO	Orissa
1995	P.R.C.R. Rajbhar	Postmaster, Pindara SO, Varanasi	U.P.
1995	NanjibhaiAmarbhai Solanki	Postmaster, Revdi Bazar HO, Ahmedabad	Gujarat
1995	AmbadipudiSubramanya Sai	Sorting Assistant, Hyderabad Sorting Dn.	A.P.
1995	Siba Prasad Roy	Inspection Vehicle, Driver SPOs, Dibrugarh Dn.	Assam
1995	S. VinayachandraVarier	ASPOs, O/o CPMG, Bangalore	Karnataka
1995	Behari Lal Kanungo	Sr. Postmaster, Parliament Street HO	Delhi
1995	Claramma Antony	Steno Gr.II, O/o CPMG	Maharashtra
1996	BenudharGogoi	EDBPM, NapamBarauti, Sibsagar Dn.	Assam
1996	Nakchhed Singh	Group 'D', Paratpgarh HO	U.P.
1996	Jugal Kishore Bisi	Overseer of Mails, Sundergarh	Orissa
1996	P.K. Sathi Devi	Sub Postmaster, Air-post Terminal PO, Goa	Maharashtra
1996	Sudheer Singh	Deputy Postmaster, South East Dn., Hyderabad	A.P.
1996	Mohinder Singh - II	Sorting Assistant, CRC, New Delhi Sorting Dn.	Delhi
1996	Bhagwan Singh	Mail Motor Service Driver, Srinagar Dn.	J&K
1996	H.N. Shukla	ASPOs(HQ), Barabanki Dn.	U.P.
1996	Pandurang R. Gaikwad	APMG(Staff), O/o CPMG, Mumbai	Maharashtra
1996	ThakarDass	Sr. PA, O/o CPMG, Delhi	Delhi
1997	C. Veera Raju	Group 'D', Kovil Patti HO, Souther Region, Madurai	Tamil Nadu
1997	B.A. Menasinakai	Postman, Laxmeshwar S.O. Gadag Dn. Dharwad	Karnataka
1997	MrityunjoyShome	Sub Postmaster (HSG-II), Agartala Dn.	North East
1997	G.V.S.S. Sharma	Public Relation Inspector (P), Mysore	Karnataka
1997	H. Abdul Jaleel	Sorting Assistant, ASPO, Chennai	Tamil Nadu
1997	Mohd. Wahid	Sr. PA to CPMG, Circle Office, Lucknow	U.P.
1998	Mahabir Singh	Daftry, PTC Saharanpur	U.P.
1998	M.K. Khan	SSPOs, Ludhiana	Punjab
1998	D.N. Sharma	ASPOs, Indepex Cell	Delhi
1998	M. Ramalingam	Assistant Director (Building)	Delhi
1998	S. Shanmugam	ASPOs, Coimbatore Dn.	Tamil Nadu
1998	M. Muthukrishnan	ASPOs, Coimbatore Dn.	Tamil Nadu
1998	Ashok Kumar Sharma	Postal Assistant (LSG), Foreign Post	Delhi
1998	Diana Ingty	Dy. Manager, Speed Post Centre	Delhi
2004	G.S. Bhat	GDS, BPM, Onikeri BO	Karnataka
2004	N. Krishnappa	Sub Postmaster, MSRIT PO	Karnataka
2004	Bahadur Singh	Ex-Group 'D', Nalagarh SO	H.P.
2004	Mirza Irfan Ali Beg	PRI(P), Badaun	U.P.
2004	Sunil Kumar Sharma	ASPOs (BD)	J&K
2004	Major Umesh Kumar Verma	56 APO	U.P.
2005	S. Vijayalakshmi	GDS, BPM, Damal BO, Kanchipuram Dn.	Tamil Nadu
2005	Veer Pal Singh	Postman, Bareilly City SO	U.P.
2005	DilipkumarRamanlal Modi	OA, O/o SSPOs, City Dn, Ahmedabad	Gujarat
2005	Gokulhari Banerjee	Section Supervisor, O/o CPMG	West Bengal
2005	B.P. Ganapati	ASPs, PTC, Mysore	Karnataka
2005	Adnan Ahmed	APMG (BD&M), O/o CPMG	Maharashtra
2006	Amrik Kaur	GDS, BPM, Lauka (Kairon), Amritsar	Punjab
2006	T. Lalnunpuia	Postman, Aizawl HO, North East Circle	North East
2006	Kompithra Philip Zacharia	Sub Postmaster, Kumily SO, Idukdki	Kerala
2006	VeChennakkeshavalu	LSG, Supervisor, Chennai GPO	Tamil Nadu
2006	Harshad Kumar Chimanlal Joshi	ASPs, O/o SSPOs, Banaskantha Dn., Palanpur	Gujarat
2006	Niyaz Ahmad	Manager (BD&Mkg), GPO Lucknow	U.P.
2006	Ch. Siva Rama Krishan	P.A., O/o PMG, Vijayawada Region, Vijayawada	A.P.
2009	Ramesh Duarah	GraminDakSewak BPM	Assam
2009	Swarna Devi	Postman	J&K
2009	Yoginder Singh Kanwar	PA	H.P.
2009	N. Anuradha	SA	Karnataka
2009	S.N. Dhoundiyal	ASPs	Delhi
2009	R.P. Chitra Devi	APMG	Tamil Nadu
2009	Amir Kharkongor	PA	North East
2009	S. Jeyarubah Ruth Ebenezer	PA	Tamil Nadu
2010	Yashmel Singh	GraminDakSewak BPM	H.P.
2010	YadatiMurali Krishna Prasad	Postman	A.P.
2010	RanjitBaishya	PA	Assam
2010	Bishnupada Dash	SPM	Orissa
2010	Ravi Prakash Dewa	ASPs	Gujarat
2010	Korrapati Ravi Babu	ADG	Directorate
2010	ChintapalliRadhakrishnaVeni	Mail Overseer	A.P.